# सूचना

दिनांक 19- 11- 2008

## गुरू वंदना केन्द्र "सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई "

## " टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम "

## TIPS OF THE FIELD PROGRAMME

### उद्देश्य :-

प्रत्येक सोमवार शाम 6 : 30 बजे गुरू वंदना के अवसर पर टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवी सज्जनों से उनके अलग अलग विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव को समाज को अवगत कराना। ताकि समाज को उनकें विशेष अनुभव का लाभ मिल सके।

### कार्यक्रम का शुरूआत (टिप्स क्र. 1):-

दिनांक 18 फरवरी 2008 को 211 वें गुरू वंदना के अवसर पर माननीय श्री डी एल रात्रे जी . अवकाश प्राप्त जिला पंजीयक ( DISTRICT REGISTRAR ) दुर्ग द्वारा टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम का शुरूआत किया गया।

### पिछला कार्यक्रम (टिप्स क्र. 40):-

दिनॉक 17 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 250 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री ए के महिपाल भिलाई इस्पात संयंत्र कर्मी एवं समाज के युवा सामाजिक कार्यकर्ता " समाज और सत्ता ( Society & Authority ) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान किये ।

### अगला कार्यक्रम (टिप्स क्र.41):-

इसी कडी में 24 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 251 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री बी एल चंदवानी . सहायक महाप्रबंधक कोक ओवन भिलाई इस्पात संयंत्र " इंधन के विभिन्न रूप – सदुपयोग कैसे करें ?( Diffrent forms of fuel – How to utilise ?) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान करेंगे। कृपया अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठावें।

धन्यवाद

विनीत

गुरू वंदना परिवार

भिलाई दुर्ग

प्रति

श्री मान/श्री मती

प्रेस विज्ञप्ति दिनॉक 19 - 11- 2008

## गुरू वंदना केन्द्र "सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई "में 250 वें गुरू वंदना के अवसर पर " टिप्स ऑफ दी फिल्ड कार्यक्रम " संपन्न

## TIPS OF THE FIELD PROGRAMME HELD

गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई मे गुरू वंदना के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम " टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम " जारी है । इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के प्रतिष्ठित व अनुभव शील सम्मानीय जन अपने अपने कार्य क्षेत्र का संक्षिप्त जानकारियां क्रमबद्ध गुरू वंदना के अवसर पर प्रदान करते हैं।

टिप्स ऑफ दी फिल्ड कार्यक्रम में 17 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 250 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री ए के महिपाल भिलाई इस्पात संयंत्र कर्मी एवं समाज के युवा सामाजिक कार्यकर्ता " समाज और सत्ता ( Society & Authority ) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान किये । उन्होंने बताया कि मानव के क्रमिक विकाश के साथ ही समाज व सत्ता की अवधारणा का भी उदय हुआ है । वर्तमान में समाज के विभिन्न रूप नजर आते हैं .जेा देश . धर्म . वर्ण . जाति आर्थिक स्थिति आदि के आधार पर है । समाज के विभिन्न रूपों के साथ ही उनका अंतर्निहित सत्ता का भी बोध होता है । इसीलिये समाज व सत्ता का चोली दामन का संबंध है । समाज की परिभाषा विभिन्न विचारकों ने विभिन्न प्रकार से अपने अपने अनुभव के आधार पर किये हैं । समाज परिपूर्ण एवं विस्तृत अवधारणा है.जिसमें पूरा विश्व का समाज शामिल होता है । यह व्यक्ति की अत्यंत महत्वपूर्ण प्राथमिक आवश्यकता एवं अवधारणा है .जिसमें प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के साथ विभिन्न संगठन के रूप में संबंध स्थापित कर मानवता के विचार धारा को आगे बढा सकता है । समाज का अस्तित्व आज विभिन्न टुकडों में बंटा नजर आता है । इतना ही नहीं एक दूसरे पर हावी होने की चेष्टा भी जोरों पर है । यह बडी ही भयावह स्थिति है . जिसका मुख्य कारण विचारों व मान्यताओं में विरोधाभास का होना ही है । इतिहास से हमें सबक लेना होगा एवं आपसी विरोधाभास को दूर कर एकरूपता के साथ मानवतावादी सोच की लहर पैदा करना होगा । मंजबूत दीवार बनाने के लिये इंटों को आपस में सीमेंट अथवा वूने की गारा से जोडा जाता है .उसी तरह विभिन्न रूपों में पाये जाने वाले समाजों को आपस में प्रेम व भाईचारे की गारा लगाकर आपस में जोडकर मजबूत मानव समाज बनाया जाना संभव है । मानव समाज बनने से ही अंतर्निहित परिणामी सत्ता दुनियां में नजर आयेगा । उन्होंने समाज क्या है एवं उसके आवश्यक तत्व . समाज की प्रारंभिक अवधारणायें . समाज के प्रकार . समाज के वर्तमान स्वरूप . के अलावा सत्ता के विभिन्न रूप ट्रेडिसनल अथारिटी . करिस्मेटिक अथारिटी . लिगल अथारिटी आदि के बारे में बिस्तार से जानकारी दिये । मास्टर चाबी राजनीतिक ताकत तथा सत्ता के केन्द्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण के बारे में भी प्रकाश डाले । इस अवसर पर श्री ए के महिपाल जी का स्वागत श्रीमती कुंती पाटील जी ने चंदन का टीका लगाकर किया।गुरू प्रसाद श्री सुरशेन कुर्रे . श्री हेमंत सिंह कुर्रे व श्री मनबोध बघेल.जी के परिवार की ओर से था।

इसी कडी में 24 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 251 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री बी एल चंदवानी .सहायक महाप्रबंधक कोक ओवन भिलाई इस्पात संयंत्र " इंधन के विभिन्न रूप – सदुपयोग कैसे करें ?( Diffrent forms of fuel – How to utilise ?)" विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान करेंगे। कृपया अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठावें।

( एफ आर जनार्दन)
संयोजक
गुरू वंदना परिवार
भिलाई दुर्ग

ब्यूरो चिफ
लोक प्रिय हिन्दी / अंग्रेजी दैनिक

# सूचना

दिनांक 12- 11- 2008

## गुरू वंदना केन्द्र "सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई "

## " टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम "

## TIPS OF THE FIELD PROGRAMME

### उद्देश्य :-

प्रत्येक सोमवार शाम 6 : 30 बजे गुरू वंदना के अवसर पर टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवी सज्जनों से उनके अलग अलग विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव को समाज को अवगत कराना। ताकि समाज को उनकें विशेष अनुभव का लाभ मिल सके।

### कार्यक्रम का शुरूआत (टिप्स क्र. 1):-

दिनांक 18 फरवरी 2008 को 211 वें गुरू वंदना के अवसर पर माननीय श्री डी एल रात्रे जी . अवकाश प्राप्त जिला पंजीयक ( DISTRICT REGISTRAR ) दुर्ग द्वारा टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम का शुरूआत किया गया।

### पिछला कार्यक्रम (टिप्स क्र. 39):-

दिनॉक 10 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 249 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री आर डी जोगांश सेवा निवृत कर्मचारी भिलाई इस्पात संयंत्र एवं भूत पूर्व अध्यक्ष गुरू घासीदास सेवा समिति भिलाई नगर " भारतीय समाज में अस्पृश्यता के कारण एवं निवारण (Causes & Measures of untouchability in Indian Society) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान किये ।

### अगला कार्यक्रम (टिप्स क्र.40):-

इसी कडी में 17 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 250 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री ए के महिपाल भिलाई इस्पात संयंत्र कर्मी एवं समाज के युवा सामाजिक कार्यकर्ता " सत्ता और समाज ( Power & Society) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान करेंगे। कृपया अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठावें।

धन्यवाद

विनीत

गुरू वंदना परिवार

भिलाई दुर्ग

प्रति

श्री मान/श्री मती

प्रेस विज्ञप्ति दिनॉक 12 - 11- 2008

## गुरू वंदना केन्द्र "सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई "में 249 वें गुरू वंदना के अवसर पर " टिप्स ऑफ दी फिल्ड कार्यक्रम " संपन्न

## TIPS OF THE FIELD PROGRAMME HELD

गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 भिलाई मे गुरू वंदना के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम " टिप्स आफ दी फिल्ड कार्यक्रम " जारी है । इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के प्रतिष्ठित व अनुभव शील सम्मानीय जन अपने अपने कार्य क्षेत्र का संक्षिप्त जानकारियां क्रमबद्ध गुरू वंदना के अवसर पर प्रदान करते हैं।

टिप्स ऑफ दी फिल्ड कार्यक्रम में 10 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 249 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री आर डी जोगांश सेवा निवृत कर्मचारी भिलाई इस्पात संयंत्र एवं भूत पूर्व अध्यक्ष गुरू घासीदास सेवा समिति भिलाई नगर " भारतीय समाज में अस्पृश्यता के कारण एवं निवारण (Causes & Measures of untouchability in Indian Society) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान किये ।उन्होंने बताया कि सोने की चिडिया से सम्मानित भारत वर्ष के वर्तमान में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक परिवेश का बारीकी से अध्ययन से पता चलता है कि आज भी व्यवहार में अस्पृश्यता के चिन्ह परोक्ष अथवा अपरोक्ष रूप से मौजूद है जिसे कोई भी संवेदन शील नागरिक इंकार नहीं कर सकता ।यह भी सत्य है कि वर्तमान भूत काल का आईना होता है ।इससे साबित होता है कि भारतीय समाज मे अस्पृश्यता का व्यवहार सदियों से होता आ रहा है । इस व्यवहार के कारण को देश के प्रत्येक नागरिक को जानना जरूरी है. तभी इसके निवारण के बारे में चिंतन मनन कर रास्ता ढूढने में आसानी हो सकती है ।मान्यता व विचार धारा में विभिन्नता से एक दूसरे पर हावी होने की चेष्टा स्वाभाविक है ।यह कार्य हर दृष्टि से खासकर शिक्षा से संपन्न लोगों के लिये आसान हो जाता है ।इतिहास के अध्ययन से पता चलता है भारतीय समाज में कुछ अभागे तबके को सदियों से शिक्षा के साथ ही अन्य मानवीय अधिकारों से बंचित किया गया था एवं गुलामी की जिंदगी जीने के लिये मजबूर किया गया था।सन 1825 में ही सर्व प्रथम शिक्षा के द्वार सभी वर्गो के लिये खोला गया । यह तो डॉ आंबेडकर ही थे .जिन्होंने भारतीय संविधान में देश के प्रत्येक नागरिक को समता .स्वतंत्रता . बंधुत्व व न्याय का मूल भूत अधिकार देकर साथ ही सन 1955 में अस्पृश्यता एक्ट बनाकर भारतीय समाज से अस्पृश्यता को दूर करने का प्रयास किया ।नीयत व नीति साफ होना आवश्यक है .नहीं तो अच्छा से अच्छा कानून का भी कोई अर्थ नहीं होता ।आज देश के सामने चुनौति है कि हम अस्पृश्यता को भारतीय समाज में व्यवहार से समूल नष्ट कैसे करें ।इस कार्य में विभिन्न सामाजिक संगठन अन्य अवसरों के सहयोग लेकर आसानी से कर सकते हैं और आज भी हम भारत वर्षप को सोने की चिडिया बना सकते हैं ।उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा ही एक सशक्त माध्यम है .जिससे अस्पृश्यता को आसानी से समाप्पत किया जा सकता है ।इस अवसर पर श्री आर डी जोगांशजी का स्वागत श्री सांवत राम बंजारे जी ने चंदन का टीका लगाकर किया।गुरू प्रसाद श्री मंशा राम कुर्रे . श्री हेमंत सिंह कुर्रे व श्री नारायण दास बंजारे जी के परिवार की ओर से था।

इसी कडी में 17 नवम्बर (दिन सोमवार ) 2008 को शाम 6.30 बजे गुरू वंदना केन्द्र सतनाम भवन सेक्टर 6 में 250 वें गुरू वंदना के अवसर पर श्री ए के महिपाल भिलाई इस्पात संयंत्र कर्मी एवं समाज के युवा सामाजिक कार्यकर्ता " सत्ता और समाज ( Power & Society) " विषय पर अपने अनुभव का टिप्स प्रदान करेंगे। कृपया अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठावें।

( एफ आर जनार्दन)
संयोजक
गुरू वंदना परिवार
भिलाई दुर्ग

ब्यूरो चिफ
लोक प्रिय हिन्दी/अंग्रेजी दैनिक